Sub- Gender School & Society C-6

Topic- समाजीकरण के सिद्धान्त की उपयोगिता :-

समाजीकरण के सिद्धान्त की उपयोगिता प्रत्येक समाज में है, क्योंकि समाज तभी होगा जब वहाँ पर निवास करनेवाले व्यक्तियों के मध्य अन्तःक्रिया हो, उनमें प्रेम, सहयोग, त्याग, करुणा, सहानुभूति इत्यादि गुण हो। समाजीकरण की उपयोगिता भारतीय सन्दर्भ में निम्न प्रकार है:-

(i) प्रेम तथा मानवता हेतु
(ii) मनुष्य के सभ्य जीवन हेतु
(iii) बच्चों के पालन-पोषण हेतु
(iv) शिक्षा के प्रसार हेतु
(v) सुरक्षात्मक वातावरण हेतु
(vi) राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता हेतु
(vii) संगठित जीवन हेतु
(viii) प्रेरणा, पुरस्कार तथा आत्म-प्रकाशन हेतु

(i) प्रेम तथा मानवता हेतु:-

समाजीकरण की उपयोगिता में प्रेम तथा मानवता के प्रसार हेतु अत्यधिक है। समा के द्वारा ही व्यक्ति परस्पर प्रेम से रहना सीखते हैं, दूसरे के सुख-दुख में काम आते है। इस प्रकार मु को एक-दूसरे से जोड़ने के लिए प्रेम तथा मानव गुणों का होना अत्यावश्यक है।

(ii) मनुष्य के सभ्य जीवन हेतु:-

सामाजिक प्राणी होने कारण मनुष्य सामाजिक नियमों तथा परम्पराओं के

Scanned with CamScanner

है, जिससे उसका जीवन सफल तथा सुखी बनता है। समाजीकरण के द्वारा बालक आलोचना करना भी सीखता है। सामाजिक होने लगता है और सभ्य बनकर अपने व्यवहार, क्रियाकलापों पर नियन्त्रण स्थापित करने लगता है।

(iii) बच्चों के पालन-पोषण हेतु:-

यदि समाज नहीं होता तो परिवार जैसी महत्वपूर्ण संस्थायें न होतीं और बच्चों का पालन-पोषण का कोई समुचित रूप से सम्पन्न नहीं हो पाता। इस प्रकार बच्चों के लालन-पालन, उनके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये समाजीकरण का अत्यधिक महत्व है।

(iv) शिक्षा के प्रसार हेतु:-

वर्तमान समाज में शिक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसका परिणाम अनिवार्य और निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा के रूप में देख सकते हैं। विद्यार्थी में समाज किस प्रकार का है, उसकी क्या आवश्यकतायें हैं, इस पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

(v) सुरक्षात्मक वातावरण हेतु:-

सुरक्षात्मक वातावरण सृजन करने के लिए समाजीकरण की प्रक्रिया अत्यावश्यक है। समाज में व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक, सांवेगिक, मनोवैज्ञानिक इत्यादि सुरक्षायें मिलती हैं। इन सुरक्षाओं को प्रदान कर समाज हमें आगे बढ़ने की ओर प्रेरित करता है।

Scanned with CamScanner

(xi) राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता हेतु:-

राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता में समाजीकरण की प्रक्रिया का महत्व अत्यधिक है। समाज में रहकर व्यक्ति में साथ-साथ रहने, साथ-साथ क्रिया करने की प्रवृत्ति का विकास होता है जिससे राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता की भावना आती है। लिंग, जाति, धर्म, जन्म-स्थान इत्यादि भेदभावपूर्ण भावनाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के लिये समाजीकरण की आवश्यकता अत्यधिक है।

(xii) संगठित जीवन हेतु:-

समाजीकरण संगठित जीवन के लिये महत्वपूर्ण है। इसके बिना मनुष्य सुचारु रूप से व्यवस्थित जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता है। सुरक्षा का भाव, आवश्यकताओं की पूर्ति इत्यादि समाजीकरण के बिना सम्भव नहीं है।

(xiii) प्रेरणा, पुरस्कार तथा आत्मप्रकाशन हेतु:-

समाजीकरण की प्रक्रिया में व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है अच्छा कार्य करने पर प्रशंसा तथा पुरस्कार मिलता है। आत्मप्रकाशन की आवश्यकता प्रत्येक मनुष्य को होती इसके बिना मनुष्य, मनुष्य नहीं, पशु सदृश हो जायेगा और यह अवसर समाजीकरण के सिद्धान्तों की प्रक्रिया द्वारा प्राप्त होता है।

Scanned with CamScanner